RRB ALP & TECHNICIAN 2024 & झारखण्ड पुलिस भर्ती

Pilot Batch (CBT- 1&2)

सेवक बैच

HISTORY

गुप्तोत्तर काल

LIVE 05-03-2024 09:00 AM

थानेश्वर का पुष्यभूति (वर्धन वंश)

संस्थापक :- पुष्यभूति

जानकारी :- बाणभट्ट के हर्षचरित में इस वंश की जानकारी मिलती है।

राजधानी :- थानेश्वर

⇒ पुष्यभूति शिव भक्त था।

② प्रभाकरवर्धन :-

⇒ पुष्यभूति वंश का वास्तविक एवं स्वतंत्र संस्थापक था।

⇒ उपाधि :- परमभट्टारक एवं महाराजाधिराज, हूणहरिणकेसरी

⇒ विवाह :- यशोमति

⇒ संतान :- ③ राज्यवर्धन, हर्षवर्धन व पुत्री राज्यश्री

⇒ प्रभाकरवर्धन ने अपनी पुत्री राज्यश्री का विवाह कन्नौज में मौखरि वंश के शासक ग्रहवर्मन के साथ किया।

⇒ प्रभाकरवर्धन अपने पुर्वजो की भाँति सूर्य देवता का उपासक था।

⇒ प्रभाकरवर्धन का प्रसिद्ध राजवैद्य :- रासायन तथा सुषेन

⇒ राज्यवर्धन :-

⇒ प्रभाकरवर्धन की मृत्यु के उपरांत वर्धन वंश के सिंहासन पर राज्यवर्धन आसीन होता है।

⇒ राज्यवर्द्धन के समकालिन मालवा का शासक देवगुप्त था।

⇒ " " " मौखरि वंश का शासक ग्रहवर्मन था।

⇒ राज्यवर्धन के समकालिन बंगाल का शासक गौड वंश का शासक शशांक था।

⇒ हर्षवर्धन : (606-647 ई०)

⇒ पिता का नाम :- प्रभाकरवर्धन

⇒ माता का नाम : यशोमति

⇒ सिंहासन धारण के समय हर्षवर्धन की आयु : 16 वर्ष

⇒ उपनाम : शिलादित्य : हर्षवर्धन स्वयं को महाराज के स्थान पर कुमार कहता था।

⇒ बड़े भाई का नाम :- राज्यवर्धन

⇒ ममेराभाई :- भाण्डी (प्रधान सचिव)

⇒ बहन का नाम :- राज्यश्री (जिसका विवाह कन्नौज के मौखरि शासक ग्रहवर्मन के साथ हुआ था।)

⇒ राजधानी :- कन्नौज

⇒ गुप्त साम्राज्य के पतन के उपरांत उत्तर भारत में एक विशाल साम्राज्य की स्थापना हर्षवर्धन के नेतृत्व में हुई थी।

⇒ हर्षवर्धन का युद्ध सचिव :- अवन्ति

⇒ हर्षवर्धन का हस्तिसेना नायक कौन था – स्कन्दगुप्त

⇒ हर्षवर्धन ने अपने समकालिन वल्लभी (गुजरात) के शासक ध्रुवसेन द्वितीय को पराजित किया था

⇒ चीनी यात्री ह्वेनसांग, हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था।

⇒ रचना :- सी-यू-की

⇒ यात्रियो का राजकुमार